

भाग-11

(सम्बन्धित उप वन संरक्षक द्वारा भरा जाना है)

7. परियोजना स्कीम का स्थान

1. राज्य संघ शासित क्षेत्र
2. जिला
3. वन प्रभाग
4. वनेतर प्रयोग के लिये प्रस्तावित वन भूमि का क्षेत्र (हे० में)
5. वनभूमि की कानूनी स्थिति
6. हरियाली का घनत्व
7. प्रजातिवार (वैज्ञानिक नाम) और परिधि श्रेणी वार वृक्षों की परिगणना (संलग्न की जाये) सिचाई/जलीय परियोजनाओं के सम्बन्ध में एफ.आर.एल. 2 मीटर पर परिगणना और एफ.आर.एल. 4 मीटर संलग्न किये जाए)
8. भूक्षरण के लिये वन क्षेत्र की संवेदनशीलता पर संक्षिप्त टिप्पणी
9. वनेतर प्रयोग के लिये प्रस्तावित स्थल की वन की सीमा से अनुमानित दूरी
10. क्यों फार्म राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभयारण्य, जैवमण्डल रिजर्व, वाघ रिजर्व, हाथी कारीडोर आदि का भाग है (यदि हां, क्षेत्र का व्यौरा और प्रमुख वन्यजीव वर्डन की टिप्पणियां अनुबन्धित की जाये)
11. क्या क्षेत्र में वनस्पति और प्राणिजान की दुर्लभ/संकटापन्न/विशिष्ट प्रजातियां पाई जाती हैं यदि हां तो तत्संबन्धी व्यौरा दें।
12. क्या कोई सुरक्षित पुरातत्वीय पारम्परिक स्थल/रक्षा प्रतिष्ठान और कोई अन्य महत्वपूर्ण स्मारक क्षेत्र में स्थित है। यदि हां तो तत्संबन्धी व्यौरा सक्षम प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण के साथ, यदि अपेक्षित हो, दें।
8. प्रस्तावित एजेन्सी द्वारा भाग-1 कॉलम-2 में प्रस्तावित वन भूमि की आवश्यकता परियोजना के लिये अपरिहार्य और न्यूनतम है यदि नहीं तो जाँचे गये विवरण के व्यौरे के मदवार संस्तुति क्षेत्र क्या है।
9. क्या अधिनियम के उल्लंघन में कोई कार्य किया गया है (हाँ/नहीं) यदि हां तो कार्य की अवधि, दोषी अधिकारियों पर की गई कार्यवाही सहित कार्य का व्यौरा दे क्या उल्लंघन संबन्धी कार्य अभी भी चल रहे हैं।

उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत कोटा मुस्तकिल ग्राम समूह पेयजल योजना जनपद के विभिन्न मार्गों के किनारे वाटर डिस्ट्रिब्यूशन लाइन के बिछाने हेतु प्रस्ताव
FP/UP/WATER/155109/2022

उत्तर प्रदेश

जालौन

सा0वा0 वन प्रभाग, उरई (जालौन)

4.7727 हे०

संरक्षित वन

0.1

0

संलग्न है

भू क्षरण के लिये क्षेत्र संवेदनशील नहीं है।

0 किमी०

नहीं

नहीं

नहीं

प्रस्तावित वन भूमि की आवश्यकता परियोजना के लिये अपरिहार्य और न्यूनतम है।

नहीं

10. प्रतिपूरक वनीकरण स्कीम का व्यौरा

- (i) प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित वनेतर क्षेत्र/अवक्रमित वन क्षेत्र आसपास के वन से इसकी दूरी भू-खण्डों की संख्या, प्रत्येक भू-खण्ड का आकार।

संलग्न है

- (ii) प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित वनेतर/अवक्रमित वन क्षेत्र और आसपास की वन सीमाओं को दर्शाता मैप।

संलग्न है

- (iii) रोपित की जाने वाली प्रजातियों सहित प्रतिपूरक वनीकरण स्कीम के वितरण कार्यान्वयन एजेन्सी, समय अनुसूची लागत ढांचा आदि।

संलग्न है

- (iv) प्रतिपूरक वनीकरण स्कीम के लिये कुल वित्तीय परिव्यय

प्रस्ताव में संलग्न है।

- (v) प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित क्षेत्र की उपयुक्तता के बारे में और प्रबंधकीय दृष्टिकोण से सक्षम प्राधिकरण से प्रमाण पत्र (संबन्धित उप वन संरक्षक द्वारा हस्ताक्षरित किया जाये)

प्रतिपूरक वनीकरण के लिये अभिनिर्धारित क्षेत्र प्रबंधकीय दृष्टिकोण से उपयुक्त है।

11. जिला वन संरक्षक की स्थल निरीक्षण रिपोर्ट विशेषतः उपर्युक्त कॉलम 7 (11, 12) 8 और 9 में पूछे गये तथ्यों को दर्शाते हुए (संलग्न करें)

कोई नहीं।

12. विभाग/जिला प्रोफाइल

- (i) जिले का भौगोलिक क्षेत्रफल

4565 वर्ग किमी0

- (ii) जिले का वन क्षेत्र

25639.35 हे0

- (iii) मामलों की संख्या सहित 1980 से वनेतर प्रयोग में लाया गया कुल वन क्षेत्र

13 मामले (166.63 हे0)

- (iv) 1980 से जिला/प्रभाग में निर्धारित कुल प्रतिपूरक वनीकरण

166.63 हे0

- (क) दण्ड के रूप में प्रतिपूरक वनीकरण सहित वनेतर भूमि

166.63 हे0

- (ख) वनेतर भूमि पर

0.00 हे0

- (v) प्रतिपूरक वनीकरण में हुई प्रगति

- (क) वनभूमि पर

166.63 हे0

- (ख) वनेतर भूमि पर

0.00 हे0

13. प्रस्ताव को स्वीकृत करने अथवा प्रस्ताव को अन्यथा लाने के सम्बन्ध में उप वन संरक्षक की विशेष सिफारिश

प्रस्ताव को स्वीकृत करने की संस्तुति की जाती है।

तिथि - 26/05/2022

स्थान - उरई.

उप वन संरक्षक
जालीन सा0 वन प्रभाग, उरई
(जालीन)